

---

Bharata Mahima

भारतमहिमा

Document Information

---

Text title : Bharata Mahima

File name : bhAratamahimA.itx

Category : misc, sanskritgeet

Location : doc\_z\_misc\_general

Author : Prashasyamitra Shastri

Transliterated by : NA

Proofread by : NA

Translated by : NA

Acknowledge-Permission: Dr. Prashasyamitra Shastri

Latest update : October 7, 2023

Send corrections to : [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

October 7, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

भारतमहिमा

---



भारतदेशो विभूषितवेशो विशेषविलासस् त्रिभुवने विराजते ।  
मम देशो वेदवाणी प्रकाशते ॥

भवनेषु धूमः शुभगन्धयुतोऽयं - व्याप्तुते हवनाश्रितो,  
विद्यापिपासु-ब्रह्मचारिगणोऽयं - राजते च कुले गुरोः ।  
आम्रनिकुञ्जे ३, आम्रनिकुञ्जे कोकिलकूजो गुञ्जति वारंवारम्,  
पश्य शोभा कथं रमणीया सदा वरणीया ।  
वसन्त समागमे ॥ १ ॥

मम देशो वेदवाणी प्रकाशते ॥

बहवो बभूवुरिह क्षत्रियावीरा - धार्मिका जनपालकाः  
श्री कृष्णचन्द्रं रामभद्रं राघवं - को न बोधति धन्विनम् ।  
महाभारते३, महाभारते युद्धे भीमार्जुनयोर्विक्रम चरितम्,  
वीरभूमे! नमो मातृभूमे ! धान्यधन पूर्णे! ।  
सदा शस्यश्यामले ! ॥ २ ॥

मम देशो वेदवाणी प्रकाशते ॥

चरणानि यस्य सततं क्षालयते - दक्षिणादिशि सागरो,  
शैलाधिराजो रमते चोत्तरस्यां - देवतात्म-हिमालयो ।  
गङ्गातीरे ३, गङ्गातीरे निर्मलनीरे नृत्यति नौकायानम्,  
शीतवातोऽरविन्द-सुगन्धं प्रसारयतेऽयम् ।  
विशाल-सरोवरे ॥ ३ ॥

मम देशो वेदवाणी प्रकाशते ॥

— प्रशस्यमित्रशास्त्री



*Bharata Mahima*

pdf was typeset on October 7, 2023



Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

